

ईश्वरीय
खजाना
टीम
Presents

विशेष पुरुषार्थ

तीव्रता से आगे बढ़ने की श्रेष्ठ युक्तियां

यह श्रेष्ठ पुरुषार्थ की
भिन्न भिन्न युक्तियाँ
बाबा की रोज
जैसे मीठी थपकी है
अन्तर्मन में
जो समा ले इसे
जीवन में उसकी सफलता
शत प्रतिशत पक्की है...

माया-मुक्त ब्राह्मण जीवन के लिए
परमात्म इशारे

आधारित चीज़ stable नहीं हो सकती,
क्योंकि वो dependent है।

परन्तु प्रेम जो है,
वो independent है।

इसलिए वो stable है, क्योंकि प्रेम का अपना वजूद है।



Peace of Mind

CH. 1221



CH. 1087



CH. 1065

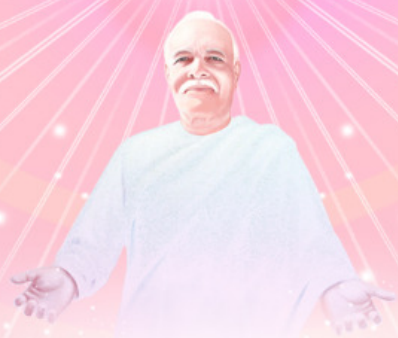
TATA PLAY

CH. 678



CH. 496





जैसे छोटे बच्चों को लोरी देते हैं, वह भी आवाज होता है लेकिन वह आवाज़, आवाज़ से परे ले जाने का साधन होता है। ऐसे ही अव्यक्त स्थिति में स्थित होकर आवाज़ में आओ तो आवाज़ से परे स्थिति का अनुभव करा सकते हो। एक सेकेण्ड की अव्यक्त स्थिति का अनुभव आत्मा को अविनाशी सम्बन्ध में जोड़ सकता है। ऐसा अटूट सम्बन्ध जुड़ जाता है जो माया भी उस अनुभवी आत्मा को हिला नहीं सकती।

अव्यक्त बापदादा

18.1.71





सारे विश्व के अंदर सबसे
श्रेष्ठ नसीब हमारा है, ऐसे
निश्चय रखो क्योंकि
परमात्मा बापने स्वयं
आकर अपना बनाया है।

SAMARPAN



ब्रह्मा ही आदि कर्मातीत फरिश्ता बनता है। ब्रह्मा सो फरिश्ता और फरिश्ता सो देवता - सबमें नम्बरवन। ऐसा नम्बरवन क्यों बनें? किस विधि से नम्बरवन सिद्धि को प्राप्त किया? आप सभी ब्राह्मण आत्माओं को ब्रह्मा को ही फालो करना है। क्या फालो करना है? इसका पहला कदम - “समर्पणता”, यह तो पहले सुनाया है। पहले कदम में भी सब रूप से समर्पण बनके दिखाया। दूसरा कदम - “सहनशीलता”। जब समर्पण हुए तो बाप से सर्व श्रेष्ठ वर्सा तो मिला लेकिन दुनिया वालों से क्या मिला? सबसे ज्यादा गालियों की वर्षा किस पर हुई? चाहे आप आत्माओं को भी गालियाँ मिली या अत्याचार हुए लेकिन ज्यादा क्रोध वा गुस्सा ब्रह्मा को ही मिलता रहा। लौकिक जीवन में जो कभी एक अपशब्द भी नहीं सुना लेकिन ब्रह्मा बना तो अपशब्द सुनने में भी नम्बरवन रहा। सबसे ज्यादा सर्व के स्नेही जीवन व्यतीत की लेकिन जितना ही लौकिक जीवन में सर्व के स्नेही रहे, उतना ही अलौकिक जीवन में सर्व के दुश्मन रूप में बने। बच्चों के ऊपर अत्याचार हुआ तो स्वतः ही इन्डायरेक्ट बाप के ऊपर अत्याचार हुए। लेकिन सहनशीलता के गुण से वा सहनशीलता की धारणा से मुस्कराते रहे, कभी मुरझाये नहीं।

कोई प्रशंसा करे और मुस्कराये - इसको सहनशीलता नहीं कहते। लेकिन दुश्मन बन, क्रोधित हो अपशब्दों की वर्षा करे, ऐसे समय पर भी सदा मुस्कराते रहना, संकल्पमात्र भी मुरझाने का चिह्न चेहरे पर न हो। इसको कहा जाता है - सहनशील। दुश्मन आत्मा को भी रहमदिल भावना से देखना, बोलना, सम्पर्क में आना। इसको कहते हैं सहनशीलता। स्थापना के कार्य में, सेवा के कार्य में कभी छोटे, कभी बड़े तूफान आये। जैसे यादगार शास्त्रों में महावीर हनुमान के लिए दिखाते हैं कि इतना बड़ा पहाड़ भी हथेली पर एक गेंद के समान ले आया। ऐसे, कितनी भी बड़ी पहाड़ समान समस्या हो, तूफान हो, विघ्न हो लेकिन पहाड़ अर्थात् बड़ी बात को छोटा - सा खिलौना बनाए खेल की रीति से सदा पार किया वा बड़ी भारी बात को सदा हल्का बनाए स्वयं भी हल्के रहे और दूसरों को भी हल्का बनाया। इसको कहते हैं - सहनशीलता। छोटे से पत्थर को पहाड़ नहीं लेकिन पहाड़ को गेंद बनाया। विस्तार को सार में लाना, यह है सहनशीलता। विघ्नों को, समस्या को अपने मन में वा दूसरों को आगे विस्तार करना अर्थात् पहाड़ बनाना है। लेकिन विस्तार में न जाये, ‘नथिंग न्यू’ के फुल स्टाप से बिन्दी लगाए बिन्दी बन आगे बढ़े - इसको कहते हैं विस्तार को सार में लाना। सहनशील श्रेष्ठ आत्मा सदा ज्ञान - योग के सार में स्थित हो ऐसे विस्तार को, समस्या को, विघ्नों को भी सार में ले आती है जैसे ब्रह्मा बाप ने किया। जैसे लम्बा रास्ता पार करने में समय, शक्तियाँ समाप्त हो जाती अर्थात् ज्यादा यूज होतीं। ऐसे ‘विस्तार’ है लम्बा रास्ता पार करना और ‘सार’ है शार्टकट रास्ता पार करना। पार दोनों ही करते हैं लेकिन शार्टकट करने वाले समय और शक्तियों की बचत होने कारण निराश नहीं होते, दिलशिकस्त नहीं होते, सदा मौज में मुस्कराते पार करते हैं। इसको कहा जाता है - सहनशीलता।--30-01-1988

Vidhi Se Siddhi

"बापदादा ने इशारा दे दिया है कि वर्तमान समय के प्रमाण सब अचानक होना है।"

अव्यक्त बापदादा - 17-11-2022 (30-11-2011)

बापदादा ने समय का इशारा दे दिया है। अभी संगम का समय अति वैल्युबुल है और बापदादा ने यह भी इशारा दे दिया है कि वर्तमान समय के प्रमाण सब अचानक होना है इसलिए सदा एवररेडी बनना है ना! बापदादा के साथ अपने घर चलना है ना! रेडी हो ना! साथ चलने के लिए रेडी हो? एवररेडी। रेडी भी नहीं, एवररेडी। तो बापदादा समय का इशारा दे रहे हैं। इस एक जन्म में 21 जन्मों की प्रालब्ध बनानी है। तो सोचो कितना अटेन्शन देना है। बाप का हर बच्चे के साथ प्यार है, बाप यही चाहते हैं कि हर बच्चा बाप के साथ-साथ चले और साथ-साथ राज्य अधिकारी बनें।



BRAHMA KUMARIS
Education Wing, Mount Abu



/AvyaktMurliEssence



"I am a CARING BEING.

Radiating happiness and
making them comfortable

That is my nature ... It is not for pleasing them ...
Nor to meet up to their expectations.

**I care selflessly ... no wants from anyone.
I radiate an unconditional feeling
Of being there for other people."**

BKShivani





Brahma Kumaris Websites

Main BK website www.shivbabas.org OR
www.brahmakumari.org (by SBS team)

Int'l website: www.brahmakumaris.org

India website: www.brahmakumaris.com

BK Sustenance website:
www.bksustenance.net

All Data hosted on www.bkdrluhar.com

Murli Websites: babamurli.net
and madhubanmurli.org

www.omshantimusic.net

www.bkgoogle.org

www.bksewa.org

www.bkinfo.in

www.bk.ooo

www.brahmakumari.org/centres

NEW

www.IshvariyaKhajana.BKhq.org